आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना

बुनाई

बुहारी स्वंय सहायता समूह कामरिंग
वी. एफ. डी. एस. कामरिंग

एस.एच.जी. नाम	::	बुहारी
वी.एफ.डी.एस.नाम	::	कामरिंग
एफ.टी.यू./ रेंज	::	**पट्टन**
डी.एम.यू. /मंडल	::	**लाहौल**
एफ.सी.सी.यू. / सर्किल	::	**कुल्लू**

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबंधन एव आजीविका सुधार परियोजना

(जाईका वित्तपोषित)

अनुक्रमणिका

क0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सारांश	1-2
2	परिचय	3
3	स्वयं सहायता समूह की सूची	4
4	समूह का विवरण	5
5	ग्राम की भौगोलिक स्थिति	6-7
6	आय सृजन गतिविधि से सम्बंधित उत्पाद का विवरण	8
7	उत्पादन की प्रक्रिया	8
8	उत्पादन हेतु नियोजन	9
9	बिक्री का विवरण	10
10	समूह के मध्यप्रबंधन का विवरण	11
11	शक्ति ,दुर्बलता अवसर जोखिम का विश्लेषण	11
12	संभावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	12
13	उद्यम हेतु अनुमानित लागत	12-15
14	उद्यम हेतु लागत – लाभ विश्लेषण	15
15	समूह की वित्तीय आवश्यकता	16
16	समूह की वित्तीय संसाधन	16
17	सम विच्छेदन बिंदु की गणना (ब्रेक इविन प्वाइंट)	17
18	स्वयं सहायता समूह के नियमों की सूचि	18
19	समूह का सहमती पत्र	19
20	समान रूचि समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ	20

परिचय

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय क्षेत्र में स्थित पहाड़ी राज्य है। जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्धि संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। हिमाचल प्रदेश की जलवायु बहुत उपयुक्त है तथा अनेक छोटी-बड़ी नदियां व घाटियां प्रदेश की सुंदरता को बढ़ाती है। प्रदेश की कुल आबादी 70लाख है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग किलोमीटर है जो कि शिवालिक पहाड़ियों के ऊपरी हिमालय के शीत मरुस्थल क्षेत्र तक फैला हुआ है।यहां कृषि व बागवानी मुख्य व्यवसाय है। हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में लाहौल जिला पर्यटन कृषि व जड़ी-बूटी के लिए प्रसिद्ध है।.

गांव कामरिंग, डा 0मुरिंग , तहसील उदयपुर, जिला लाहौल स्पीति ,हिमाचल प्रदेशमें स्थित है। गांव कामरिंग लाहौल जिले की घाटियों को भौतिक संरचना के आधार पर तरह-तरह के नाम दिए गए हैं, जिसमें एक नाम पट्टन वैली है। लाहौल मुख्यालय से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।यह जिला लाहौल स्पिति का दुर्गम जन जातीय क्षेत्र है ।

गांव कामरिंग मे लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है। अधिकतर लोगों के पास बहुत कम जमीन है, जिसके कारण उनकी आजीविका का निर्वाह अच्छे ढंग से नहीं हो पा रहा है।

जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नकदी फसल व बागवानी का कार्य करके अपनी आजीविका चलाते हैं। गांव में लोग बुनाई का कार्य भी कर रहे हैं, परंतु उत्पादन पारंपरिक तरीके से होता है। इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए व उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने के लिए इन महिलाओं को उन्नत किस्म के यंत्रों के बारे में जो इस उत्पादन के लिए उपयुक्त है, उनकी जानकारी की आवश्यकता है।

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र एवं प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना ने गांव में ग्राम वन समिति कामरिंग के गठन के बाद लोगों को आजीविका के साधन बढ़ाने के लिए समूह में कार्य करने के बारे में बताया। परियोजना के माध्यम से गाँव में 02 स्वयं सहायता समूहोंका गठन, " जागृति स्वयं सहायता समूह" व " बुहारी स्वयं सहायता समूह" के रूप में किया गया। इसके बाद "बुहारी स्वयं सहायता समूह" ने बुनाई का कार्य करने का निर्णय लिया। इस समूह में 8 सदस्य शामिल हुए।

<u>स्वयं सहायता समूह की सूची-</u>

क्र.	लाभार्थी का नाम	पद	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी
1	रजनी देवी	प्रधान	49	स्त्री	5^{th}	अनुसूचित जन जाति
2	गुड्डी	सचिव	37	स्त्री	5^{th}	अनुसूचित जन जाति
3	रामप्यारी	सदस्य	51	स्त्री	-	अनुसूचित जन जाति
4	कोमल	सदस्य	28	स्त्री	+2	अनुसूचित जन जाति
5	नोरजिन	सदस्य	45	स्त्री	-	अनुसूचित जन जाति
6	बिमला	सदस्य	51	स्त्री	-	अनुसूचित जन जाति
7	अंजना	सदस्य	42	स्त्री	10th	अनुसूचित जन जाति
8	उषा	सदस्य	33	स्त्री	+2	अनुसूचित जन जाति

2. स्वयं सहायता समूह विवरण-

1	समूह का नाम	बुहारी स्वयं सहायता समूह
2	ग्राम वन विकास समिति	कामरिंग
3	वन परिक्षेत्र / क्षेत्रीय तकनीकी इकाई	पट्टन
4	वनमंडल/ मंडलीय प्रबंधन इकाई	लाहौल
5	गांव	कामरिंग
6	विकास खंड	केलोंग
7	जिला	लाहौल- स्पीति
8	समान सूची समूह में कुल सदस्यों की संख्या	8
9	समूह के गठन की तिथि	जनवरी 2020
10	बैंक खाता संख्या	13200110027813
11	बैंक का नाम और शाखा जहां समूह का खाता संचालित है	यूको बैंक जाहलमा
12	स्वयं सहायता समूह की मासिक बचत	100
13	कुल बचत	35000
14	सदस्यों को आपस में दिया गया ऋण	0
15	नगदी जमा करने की सीमा	
16	चुकौती की स्थिति	6 महीने

3.ग्राम की भौगोलिक स्थिति –

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	30 किलोमीटर (लगभग)
3.2	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	जाहलमा ,6 किलोमीटर लगभग
3.4	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	केलोंग , 30 किलोमीटर
3.5	प्रमुख शहरों से दूरी	कुल्लू 138 किलोमीटर, भुंतर 146 किलोमीटर, मनाली 95 किलोमीटर
3.6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद का विक्रय/ विपणन किया जाएगा	उदयपुर, कुल्लू, भुंतर, मनाली
3.7	प्रस्तावित आय सृजन गतिविधि के संबंध में गांव की कोई विशेष सूचना	कृषि व बागवानी, कोटी, जुराबें, स्वेटर बनाते हैं।
3.8	पिछले/ पूर्व और आगामी संपर्कों की स्थिति	लगातार बैठकर की जा रही है और बुनाई की जानकारी साझा की जा रही है

1. व्यवसाय योजना की आवश्यता क्यों ?

ग्राम वन विकास समिति में महिलायों का पहले से गठित समूह है जिसमे समूह की सभी महिलाएं बुनाई (knitting) का कार्य करके अपनी आजीविका को बढाना चाहती है इसीलिए महिलायों ने समूह के माध्यम से JICA परियोजना से बुनाई (knitting) की मशीनों प्रदान करने तथा उचित प्रशिक्षण की मांग की है |

2. व्यवसाय योजना के उदेश्य -

समूह की सभी सदस्यों की क्षमता का निर्माण करना |समूह के लिए निरंतर आय के साधन उपलब्ध कराना |उत्पाद को उचित बाज़ार से जोड़ना |सभी सदस्यों को समूह में काम करने के लिए प्रेरित करना |बुनाई (knitting) व्यवस्या की नवीनतम एवं आधुनिक तकनीकों को बढावा देना |आजीविका की बढोतरी |

3. व्यवसाय योजना में निम्न कार्य शामिल हैं -

बुनाई (knitting) (कोटी, स्वेटर, बच्चों के सेट, टोपी, जुराबे इत्यादि शामिल है |

4. सामुदायिक गतिशीलता -

इसके अंतर्गत ग्रामीणों में जागरूकता एवं सामुदायिक गतिशीलन के उपरान्त आजीविका वर्धन के विकल्प का चयन तथा उसके लिए लाभार्थीयों की छंटनी की गयी है |

5 समूह का निर्माण -

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को एकत्रित कर समूह का गठन किया गया है तथा समूह का अध्यक्ष, सचिव व् कोषाध्यक्ष का सर्वसहमति से चुनाव किया गया है| समूह की सदस्यों की सहमती से समूह के लिए नियम एवं शर्ते निर्धारित करके उन्हें लागू करने का प्रावधान किया गया है|

6 क्षमता का निर्माण –

लाभार्थियों की क्षमता निर्माण हेतु उनका उचित प्रशिक्षण करवाया जाना आवश्यक है|

7 बुनाई (knitting) मशीन इत्यादि का वितरण -

समूह के सभी सदस्यों को अच्छी किस्म मशीने उपलब्ध करवाई जाए ताकि अच्छे ढग से कार्य कर सके|

8 बाज़ार से जोड़ना-

अपने उत्पाद को बेचने के लिए समूह किसी सरकारी व् निजि सोसाइटी से उचित शर्तों के साथ संबध स्थापित करने लिए तैयार है| विक्रय के लिए लोकल बाजारों के दुकानदारों से जोड़ कर, मेलों में प्रदर्शनी लगाकर और नेचर अवेयरनेस पार्क में दुकान लगाकर आय कमाने हेतु जोड़ा जाएगा | आधिक उत्पादन होने पर कुल्लू और मनाली बाज़ार के क्षेत्र में दुकानदारों से जुड़ कर कार्य करेगी|

9 वितीय संस्थानों एवं संबधित विभागों से जोड़ना –

व्यवसाय को आगे बढाने के लिए समूह को वितीय संस्थानों से जोड़ने का पर्यास किया जाएगा तथा उन्हें विभिन्न बैंकों द्वारा दी जा रही ऋण सुविधाओं से अवगत करवाया जाएगा तथा परियोजना द्वारा बैंकों से जोड़ा जाएगा |

10 अपेक्षित सहायता एवं संसाधन -

वित्तीय प्रबंधन : (पूंजीगत व्यय का 75 % श्रेणी बार परियोजना द्वारा सहायता दी जाएगी, शेष 25 % सदस्य द्वारा वहन किया जाए|

मानव : 6 सदस्य

तकनीकी : तकनीकी सहायता गाँव में ही मास्टर ट्रेनर लगाकर परियोजना द्वारा उचित प्रशिक्षण का प्रावधान परियोजना द्वारा दिया जाएगा |

11अनुमानित लाभ-

महिलायों के लिए घरेलू रोज़गार उपलब्ध होगा |

समूह के सभी सदस्यों के लिए आजीविका वर्धन का दीर्घ कालीन एवं निरंतर साधन उपलब्ध होगा |समूह की महिलाएं इस कार्य को खाली एवं अतिरिक्त समय में कर सकती है |

12 बाज़ार की जानकारी–

स्वयं सहायता समूह के सदस्य पर्यटक स्थलों जेसे –सिस्सू ,अटल टनल ,उदेयपुर, केलोंग , कुल्लू और मनाली बाज़ार के क्षेत्र में दुकानदारों के साथ जुड़ कर या स्वयं कार्य अपना व्यवसाय कर सकते है | परियोजना द्वारा स्वयं सहायता समूह के लिए पर्यटक स्थल सिस्सू के आस पास वन विभाग और जाईका की सहायता से एक दुकान का भी जल्द प्रबंध किया जायेगा | जिससे की महिलाओ को अपने बनाये उत्पादों को कहीं अनन्य स्थान पर ले जाने की जरूरत ना हो और समूह की आमदनी में बढ़ोतरी होगी |

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का वितरण-

1	उत्पाद का नाम	कोटी, स्वेटर, जुराबे, वेवी सैट,टोपी व मफलर
2	उत्पाद की पहचान की पद्धति	कुछ सदस्य बुनाई का कार्य पहले से ही करते हैं।
3	स्वयं सहायता समूह/समान सूची समूह/ सदस्यों की सामूहिक सहमति	हां।

उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण-

सर्वप्रथम स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा कोटी, स्वेटर, जुराबे, बेबी सेट, टोपी वमफलर आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा।प्रशिक्षण के उपरांत समूह के सदस्य द्वारा उत्पाद तैयार करने में निमन प्रक्रिया की जाएगी:-

कोटी, स्वेटर, जुराबे, बेबी सेट, टोपी व मफलर तैयार करने की मशीनें लगवाऐंगे। इससे समय और उत्पादों की मजदूरी दर का खर्चा कम होगा।

उत्पादन हेतु नियोजन-

प्रति माह कार्य दिवस	:	30 दिवस
प्रति माह काम करने वाले व्यक्ति	:	8 व्यक्ति
कच्चे माल का स्रोत	:	केलोंग,कुल्लू
अन्य संसाधनों का स्रोत	:	केलोंग,कुल्लू

नोट: स्वयं सहायता समूह के प्रशिक्षण का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाता है | तथा इस व्यवसाय योजना में शामिल नहीं है|

समूह के मध्यप्रबंधन का विवरण-

प्रबंधन के लिए नियम बनाए जाएंगे |
समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का बंटवारा करेंगे |
बंटवाराकार्य की कुशलता एवं क्षमता के आधार पर किया जाएगा
लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवत्ता, कुशलता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएगा |
विपणन करने वाले सदस्यों को कुल बिक्री राशि पर 5% कमीशन दी जाएगी |
प्रधान व सचिव प्रबंधन का मूल्यांकन एवं अवलोकन समय-समय पर करते रहेंगे |

बिक्री का विवरण-

1.	सम्भावित बाजारों/स्थलों के नाम	केलोंग ,मनाली, कुल्लू और भुंतर
2.	उत्पाद की बिक्री हेतू गांव से दूरी	केलोंग 25 कि0मी0 कुल्लू 136 कि0मी0 मनाली 96 कि0मी0 भुन्तर 144 कि0मी0
3.	बजार में उत्पाद की अनुमानित मांग	कोटी, स्वेटर, बच्चों के सेट, टोपी, जुराबे इत्यादि
4.	बजार को चिन्हित करने की प्रक्रिया	लोकल बाज़ार को चिन्हित किया गया है जैसे की केलोंग,मनाली, कुल्लू और भुंतर।
5.	मौसम मे ंपरिवर्तन के अनुसार उत्पाद की मांग की स्थिति	मांग के अनुसार उत्पादन घटाया या बढाया जाएगा ।
6.	उत्पाद के संभावित खरीदार	स्थानीय निवासी
7.	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	गाँव व शेहर की महिलाएँ / पुरुष
8.	उत्पाद का विपणन तंत्र	सीधा सम्पर्क दुकानदारों से और गाँव की महिलाऐं और पुरषों के कोटी, स्वेटर, बच्चों के सेट, टोपी, जुराबे इत्यादि की बुनाई।
9.	उत्पाद के विपणन हेतु रणनीति	1. कोटी, स्वेटर, बच्चों के सेट, टोपी, जुराबे इत्यादि की बुनाई मांग के अनुसार घटाएंगे या बढायेंगे| 2. समूह कार्य की निपुणता के आधार पर सदस्यों का चयन करेगा जैसे कि सिलाई, काज बटन लगाना, इत्यादि।

शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण-

शक्ति

महिलाओं में कार्य करने की लगन है।
पहले से ही कुछ सदस्य बुनाई का काम करते हैं।
समूह में अनुभवी सदस्य भी है।

दुर्बलता

महिलाएं कृषि व पशुपालन के कार्य भी करती है।
कार्य के लिए 2 से 3 घंटे का समय ही निकाल पाना।
समूह में कर रहे हो पहली बार कर रहे हैं।

अवसर

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
प्रशिक्षण से कुशलता व क्षमता में बढ़ोतरी होगी।
उत्पादकों की लोकल व शहरों में मांग है।
कुल्ल, मनाली, उदयपुर, त्रिलोकीनाथ, चंद्रताल पर्यटक स्थल है।
अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।

चुनौती

बाजार की स्थिति (डिमांड) को ना समझना।
अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।
उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।
अन्य (कृषि बागवानी व पशुपालन)

कार्यों में व्यवस्था।

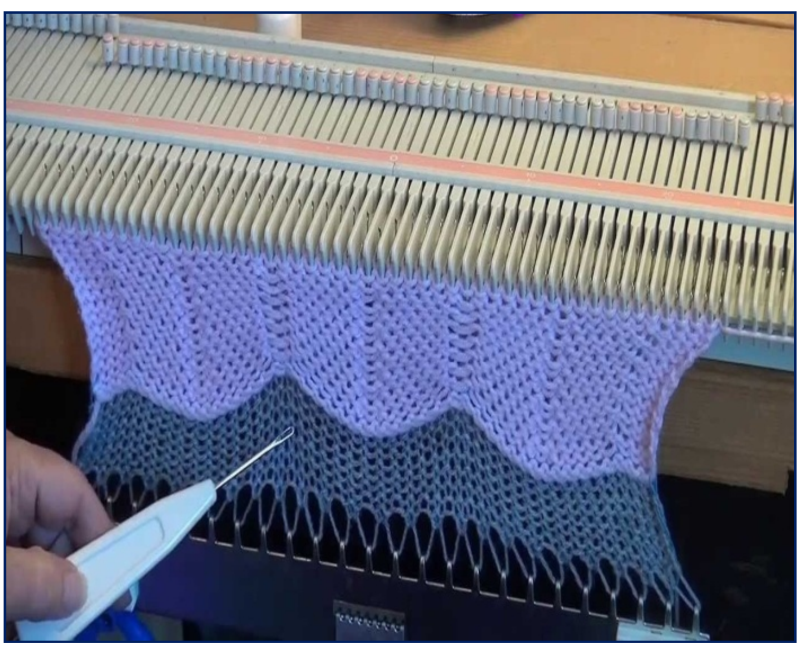

संभावित चुनौतियां तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण-

क्र.सं.	जोखिमों/चुनौतियों का विवरण	::	जोखिम कम करने के उपाय
1.	बाजार की स्थिति (डिमांड) को ना समझना।	::	समय–समय पर बाजार की मांग के अनुसार चलना।
2.	अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।	::	उपभोक्ताओं के मनपसंद उत्पाद तैयार करना।
3.	अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।	::	अन्य उत्पाद केंद्रों से बेहतर उत्पाद बनाना व शुरू में कम लाभ कमाना।
4.	उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।	::	उपभोक्ताओं से हमेशा संपर्क में रहना।
5.	कृषि, बागवानी व पशुपालन कार्य में ज्यादा व्यवस्था।	::	कृषि, बागवानी व पशुपालन और घर के अन्य कार्य में साथ साथ बुनाई में ध्यान देना।
6.	समूह में बंटवारा	::	समूह मैं बंटवारा कुशलता व क्षमता के आधार पर करना। पारदर्शिता से कार्य करना।
7.	उत्पाद की गुणवत्ता घटने से बिक्री कम हो सकती है।	::	गुणवत्ता बनाए रखने के लिए समूह को उच्च मापदंड रखने होंगे।

11. उद्यम हेतु अनुमानित लागत एवं उत्पाद के विक्रय मूल्य की गणना

1) पूंजीगत व्यय

क्रमाक	गतिविधि	मात्रा	मुल्य	कुल व्यय
1	आटोमेटिक कार्ड मशीन	**4**	32000	128000
2	सिम्पल मशीन	**2**	8500	17000
	मशीन की Accessorys		5000	5000
	योग	-	-	**150000**
	परियोजना अंश 75%	-	-	**112500**
	लाभार्थी अंश 25%	-	-	**37500**
	योग	-	-	**150000/-**

उपरोक्त पूंजीगत व्यय का लाभार्थी अंश नकदी के रूप में स्वयं वहन करेंगे |

2. **आवर्ती व्यय एक महीना लिया गया है |**

स्वेटर					
1	कच्चा माल धागा	किलोग्राम	40	700	28000
2	कच्चा माल बटन	न०	0	0	0
3.	मजदूरी	दिन	30	350	10500
	कुल				38500/-
बच्चों के सेट					
1	कच्चा माल चेल्सी धागा	किलोग्राम	20	700	14000
2	कच्चा माल बटन	न०	0	0	0
3.	मजदूरी	दिन	30	350	10500
	कुल				24500/-

जुराब					
1	कच्चा माल चेल्सी धागा	किलोग्राम	20	700	14000
2	कच्चा माल नायलॉन धागा	किलोग्राम	10	300	3000
3.	मजदूरी	दिन	30	350	10500
	कुल				27500/-
टोपी और मफलर					
1	कच्चा माल चेल्सी धागा	किलोग्राम	10	700	7000
2.	मजदूरी		30	350	10500
	कुल				17500/-
अन्य खर्चा					
क्र0स0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशि
1.	परिवहन खर्चा	–		L/S	2000
2.	किराया कमरा	महीना		L/S	1000
3.	पैकजिग और स्टीकर				10000
4.	बिजली और पानी औसत				2000
	कुल				6000/-
	कुल योग	-	-	-	**123000/-**

3.उत्पाद की लागत

क्र0स0	विवरण	धनराशि (रू0)
1	कुल आवर्ती लागत	123000
2	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास	1250
	योग	124250/-

4 विक्रय मूल्य की गणना / आंकलन (प्रतिचक्र) :

क0स0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशी
1	उत्पादन की लागत				
	स्वेटर	नंबर	30	600	18000
	बच्चों के सेट	नंबर	30	200	6000
	जुराबे	नंबर	50	100	5000
	टोपी , मफलर	नंबर	50	200	10000
	कुल लागत		160 नग		39000/-
2	उत्पादन की अनुमानित विक्रय				
	स्वेटर	नंबर	30	1000	30000
	बच्चों के सेट	नंबर	30	350	10500
	जुराबे	नंबर	50	300	15000
	टोपी , मफलर	नंबर	50	400	20000
	योग		160 नग		75500/-
3	निर्धारित लाभ				
	स्वेटर	नंबर	30	400	12000
	बच्चों के सेट	नंबर	30	150	4500
	जुराबे	नंबर	50	200	10000
	टोपी, मफलर	नंबर	50	200	10000

	योग		160 नग		36500/-

उद्यम लागत – लाभ विश्लेषण (एक चक्र के लिए) -

क0स0	मद	धनराशि (रू)
	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास (अ)	1250/-
	आवर्ती व्यय	
	किराया	1000
	परिवहन	2000
	कच्चा माल धागा	63000
	कच्चा माल नायलॉन धागा	3000
	मजदूरी	42000
	अन्य खर्चा पैकजिग पानी ,बिजली ,स्टीकर ,इत्यादि	6000
	योग	117000/-
	कुल उत्पादन (नं० में)	प्रतिमाह / 160 न0
	उत्पादन की विक्री मूल्य प्रतिमाह	75500/-
	कुल लाभ = विक्री मूल्य-(पूंजीगत मूल्य ह्रास+ आवर्ती मूल्य)	
	कुल लाभ = 75500-(1250+123000)	48750/-
	उत्पाद की बुनाई से सकल लाभ = कुल लाभ +मजदूरी एवं कमरा किराया = 48750 + 42000 + 1000	91750/-

यह धनराशी मजदूरी व किराये की धनराशी के अतिरिक्त है | लाभ प्रति सदस्य का वितरण सदस्यों के मध्य सहमत अनुपात के आधार पर किया जाएगा

12. धन की आवश्यकता -

समूह की वित्तीय आवश्यकता :

क0स0	मद	धनराशी (रु)
1	पूंजीगत व्यय	150000
2	आवर्ती व्यय	123000
	योग	**273000/-**

समूह के वित्तीय संसाधन –

क0स0	संसाधन का विवरण	धनराशी (रु)
1	परियोजना द्वारा सहायता कोष की धनराशी 75 % पूंजीगत व्यय	112500
2	लाभार्थी अंश 25% पूंजीगत व्यय	37500
	योग	150000/-

सम विच्छेदन बिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणना -

ब्रेक इवन पॉइंट = पूंजीगत व्यय / विक्रय मूल्य – आवर्ती व्यय

= 150000 / 75500 –123000 = 150000 / 47500

= 3.15 माह = 3.15 x 30 = 94.5 दिन

उपरोक्त अनुपात में बुनाई करके देने पर "ब्रेक इवन पॉइंट"95 दिनों में प्राप्त होगा! दुसरे शब्दों में इस गतिविधि में लगी गयी धनराशी 95 दिनों में प्राप्त हो जाएगा |

15. स्वयं सहायता समूह नियमो की सूची-

1. समूह का काम : **बुनाई**
2. समूह का पता : **गाँव कामरिंग ,डाकघर मुरिंग , तहसील उदयपुर ,जिला लाहुल स्पिति , हिमाचल प्रदेश |**
3. समूह के कुल सदस्यः 8
4. समूह की मासिक बैठक हर माह की 5 तारिक को होगी |
5. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेगें
6. स्ंवय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा
7. समूह की बैठक में गेर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी
8. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बेठकों तक समूह से गेर हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाऐगा
9. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए वगेर गेर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा
10. स्ंवय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें
11. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा
12. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्व कोई काम नही करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें
13. अगर सदस्य किसी कारणवश समूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ समता है अन्यथा नही
14. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी
15. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए
16. स्ंवय सहायता समूह के रजिस्टर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए
17. बड़ें ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी
18. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाहिए
19. अगर सदस्य बिना कारण से समूह को छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा रही समूह में बांटी जाएगी
20. समूह को अपनी मासिक रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit) के कार्यालय में देनी
होगी |

<u>**स्वंय सहायता समूह के सदस्यों का फोटोग्राफ**</u>

रचनी देवी

गुड्डी

रामप्यारी

कोमल

नोरीपन

बिमला देवी

अंचना देवी

उषा

समूह का सहमति पत्र

आज दिनांक 28.9.2022 को स्वयं सहायता समूह "**बुहारी** "की बैठक प्रधान"श्रीमती **रजनी** "की अध्यक्षता में हुई। जिसमें समूह के सभी सदस्यों ने आपसी सहमती से यह निर्णय लिया कि समूह कीआय को बढ़ाने के लिए"**बुनाई**"(**knitting**) का कार्य आजीविका सुधार योजना (**JICA**) से जुड़ने की सहमति प्रदान करते है।

रजनी देवी
प्रधान
बुहारी स्वयम सहायता समूह
कामरिंग

गुड्डी
चिव
हायता समूह
रिंग

Treasurer
VFDS Kamring
Distt. L&S (H.P.)

President
VFDS Kamring,
Distt. L&S (H.P.)

Baul
Pattan

1 नीरजिना
2 गुड्डी
3 रामप्यारी
4 Komal
5 बिमला देवी
6 Usha
7 अंजना देवी
8

Dmu-Cum- Division Forest Office
Lahoul at Keylong